Amar Ujala Page No. 05 19.09.2022

अंबेडकर विश्वविद्यालय में आज जारी होगा दाखिले का फॉर्मूला

यूजीसी के दिशा-निर्देश के तहत अंकों के सामान्यीकरण से मिलेगा प्रवेश

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के अंबेडकर विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिले का फॉर्मूला सोमवार को जारी होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देश के तहत कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) में प्राप्त अंकों की फॉर्मूला के हिसाब से गणना करने के बाद दाखिला प्रक्रिया चलेगी। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दिया है। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 12 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. नितिन मलिक ने बताया कि यूजीसी ने सीयूईटी में प्राप्त अंकों के सामान्यीकरण के आधार पर दाखिला देने के दिशा-निर्देश दिए जारी किए हैं। इसके आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन अंकों का सामान्यीकरण कर दाखिला को आधार बनाएगा। इसके लिए प्रशासन ने एक फॉर्मूला भी तैयार किया है, जिसे सोमवार को जारी किया जाएगा। फॉर्मूले के तहत

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 12 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं विद्यार्थी

बेस्ट विषयों को शामिल करने के साथ देखा जाएगा कि छात्र किस पाठ्यक्रम में दाखिले का इच्छुक है। इस आधार पर बेस्ट विषयों को शामिल कर अंक निकाले जाएंगे। विश्वविद्यालय की यूजी में 1123 व पीजी में 1399 सीटें हैं।

85 फीसदी सीट आरक्षित : राज्य सरकार का विश्वविद्यालय होने के कारण यहां 85 फीसदी सीटें दिल्ली के छात्रों के लिए आरक्षित की गई हैं। वहीं, 15 फीसदी सीटों पर बाहरी छात्रों को दाखिला दिया जाएगा। इसमें ओबीसी के लिए 27 फीसदी, एससी के लिए 15 फीसदी वएसटी के लिए 7.5 फीसदी सीटें आरक्षित हैं।

चार नए पाठ्यक्रमों में बना सकते हैं कॅरियर

अंबेडकर विश्वविद्यालय ने नए शैक्षणिक सत्र में चार नए पाठ्यक्रम लांच किए हैं। इसके तहत यूजी में दो व पीजी में दो पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। यूजी में अधिक मांग में रहने वाला कोर्स बीए ऑनर्स पॉलीटिकल साइंस को शामिल किया गया है। साथ ही बीबीए-आईईबी कोर्स भी शामिल है। इसके अलावा पीजी में एमए इन क्रिमिनोलॉजी और एमए इन कंपैरिटिव लिट्रेचर कोर्स शामिल हैं। बीए ऑनर्स पॉलीटिकल साइंस कोर्स में छात्रों को तीन साल में भारतीय राजनीति के विभिन्न पहलुओं को पढ़ाया जाएगा। साथ ही लोक प्रशासन, तुलनात्मक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी कवर किया जाएगा। बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन-इनोवेशन कोर्स में उद्यमी एंड वेंचर डेवलपमेंट कोर्स में छात्रों को अपने उद्यम को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मास्टर ऑफ आर्ट्स इन क्रिमिनोलॉजी एक नया कोर्स है। इसमें अपराध और समाज के बीच संबंध को समझने में मदद मिलेगी।

जैक दिल्ली : सीट रद्द करने पर हजार रुपये कटेगा शुल्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पांच तकनीकी विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया अंतिम चरण में चल रही है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 सितंबर है और अगले सप्ताह तक पहले चरण का परिणाम जारी होगा। सीट रद्द करने पर छात्रों का एक हजार रुपये का शुल्क कटेगा। जेईई मेंस का परिणाम जारी होने के बाद पांच तकनीकी विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए ज्वाइंट एडमिशन काउंसलिंग (जैक) दिल्ली काउंसलिंग कर रही है। जैक के मुताबिक, सीट आवंटन होने पर यदि छात्र सीट को नहीं लेना चाहता है और सीट को रद्द करता है तो उसके द्वारा जमा राशि में से एक हजार रुपये का शुल्क कटेगा। इसके अलावा शेष राशि को वापस कर दिया जाएगा। इसके लिए 29 सितंबर से प्रक्रिया शुरू होगी। ब्यूरो

MEWAR
• Affiliated to CCS

Nav Bharat Times Page No. 05 19.09.2022

'अपने सीयूईटी स्कोर को समझें और एक प्लान के साथ लें एडमिशन'

स्पीकर : प्रो मनोज सिन्हा, प्रिंसिपल- आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी

स्पीकर : डॉ नितिन मलिक, रजिस्ट्रार- आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली (एयूडी)

स्पीकर : आलोक बंसल - करियर काउंसलर

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

सीयूईटी का नॉर्मलाइज्ड स्कोर क्या है? इससे मेरिट लिस्ट कैसे बनेगी? 100 पर्सेंटाइल वाले 20 हजार स्टूडेंट्स हैं, क्या मुझे एडमिशन मिल पाएगा? ऐसे ही कई सवालों एनबीटी प्लैनेट कैंपस वेबिनार में स्टूडेंट्स ने स्पीकर्स के सामने रखे। रविवार को हुए वेबिनार में तीन एक्सपर्ट्स- दिल्ली यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. मनोज सिन्हा, आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली के रजिस्ट्रार डॉ. नितिन मलिक और करियर काउंसलर आलोक बंसल स्टूडेंट्स शामिल हुए और सभी स्टूडेंट्स को उनके कॉलेज-कोर्स और करियर के लिए गाइड किया और उनकी उलझनों को दूर किया।

सीयूईटी स्कोर कार्ड में नॉर्मलाइज्ड स्कोर दिया गया है, स्टूडेंट्स उसे समझे और उस पर भरोसा रखे। सभी फेज में अलग अलग पेपर देने वाले स्टूडेंट्स अब एक प्लैटफॉर्म में हैं। अब उन्हें पसंदीदा कॉलेज के लिए इंतजार करने के बजाय जहां अपने कोर्स में एडमिशन मिले, वहां ले लेना चाहिए।

- आलोक बंसल, करियर काउंसलर

NBT नवभारत टाइम्स PLANET CAMPUS KAL HAMARA HAI

आंबेडकर यूनिवर्सिटी नॉर्मलाइज्ड स्कोर के आधार पर ही दाखिले करेगा। इससे स्टूडेंट्स परेशान ना हों और ना ही कोई उलझन रखें। वे 12 अक्टूबर तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। स्टूडेंट्स वेबसाइट में दाखिले से जुड़ी हर जानकारी जरूर पढ़ें और रजिस्ट्रेशन करें।

- डॉ. नितिन मलिक, रजिस्ट्रार, आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली

डीयू के हर कॉलेज की अहमियत है। अगर स्टूडेंट में अपने फील्ड के लिए पैशन है, तो वह किसी भी कॉलेज से अपना कोर्स पढ़कर करियर में बहुत अच्छा करेगा इसलिए कॉलेज के चक्कर में ना रहें, सोच समझकर अपना कोर्स चुनें और दाखिला लें। *- प्रो मनोज सिन्हा, प्रिंसिपल, आर्यभट्ट कॉलेज, डीयू*

सवाल-जवाब

■ **मैंने सीयूईटी के फॉर्म में डीयू को नहीं चुना, अब भर सकती हूं?**

अब नहीं भर सकते। सीयूईटी के फॉर्म में जो स्टूडेंट्स कई यूनिवर्सिटी नहीं भर पाए थे या फॉर्म में कोई गलती की, उन्हें नैशनल टेस्टिंग एजेंसी सुधार का एक मौका हाल ही में दे चुकी हैं।

■ **मैं डीयू में कितने कॉलेज के लिए अप्लाई कर सकता हूं?**

आप कितनी भी संख्या में कॉलेज और कोर्स भर सकते हैं। आपको कॉलेज-कोर्स का कॉम्बिनेशन बनाकर एक वरियता में भरने होंगे। मेरिट लिस्ट में नाम ऊपर होने पर आपको आपके पसंद के कोर्स-कॉलेज मिलने की ज्यादा चांस होंगे।

■ **मैंने सीयूईटी फॉर्म में ओबीसी-यूआरएल कैटेगरी भरी है। क्या अब डीयू और एयूडी के फॉर्म में जनरल कर सकता हूं? -जतिन**

इसकी कोई जरूरत नहीं है। जनरल कैटगरी की लिस्ट में सभी कैटेगरी शामिल होंगी यानी मेरिट में आने पर हर कोई जनरल कैटेगरी में एडमिशन ले सकता है।

■ **क्या डीयू के हर कॉलेज की अलग अलग लिस्ट आएगी?**

नहीं, एक ही सेंट्रलाइज्ड लिस्ट जारी होगी। सभी कोर्स की अलग-अलग सेंट्रलाइज्ड लिस्ट होगी।

■ **क्या डीयू और एयूडी में दिल्ली के स्टूडेंट्स के लिए कोटा है?**

डीयू सेंट्रलाइज्ड यूनिवर्सिटी है, वहां ऐसा कोई कोटा नहीं। मगर एयूडी दिल्ली सरकार की यूनिवर्सिटी है, जिसमें 85% सीटें दिल्ली से 12वीं पास स्टूडेंट्स के लिए हैं।

Navbharat Times, Page no.02, Sep 18, 2022_1 (1)

आज एनबीटी वेबिनार में जानिए टिप्स

एडमिशन की रेस के लिए हो जाइए तैयार

स्पीकर : प्रो मनोज सिन्हा, प्रिंसिपल- आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी

स्पीकर : डॉ नितिन मलिक, रजिस्ट्रार- आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली (एयूडी)

स्पीकर : आलोक बंसल - करियर काउंसलर

■ विस, नई दिल्ली : कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET) के रिजल्ट के बाद किस तरह से यूनिवर्सिटी में अंडरग्रैजुएट कोर्सेज में दाखिले होंगे, इसे लेकर स्टूडेंट्स उलझे हुए हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी, आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली समेत जेएनयू, जामिया में भी सीयूईटी के स्कोर के आधार पर दाखिले होने वाले हैं। आखिर कैसे होगी एडमिशन की यह रेस आसान, एनबीटी के वेबिनार में यूनिवर्सिटी एक्सपर्ट्स पहुंचकर स्टूडेंट्स को यह जानकारी देंगे। साथ ही, वे बताएंगे कि कौन सा कोर्स पढ़कर उन्हें किस किस फील्ड में अपना करियर बनाने के मौके मिलेंगे।

रविवार, 18 सितंबर को एनबीटी प्लैनेट कैंपस वेबिनार में पहुंच रहे हैं दिल्ली यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट कॉलेज और दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रिंसिपल्स असोसिएशन के सेक्रेटरी प्रो. मनोज सिन्हा, जो डीयू के दाखिले प्रक्रिया के तीनों फेज की हर खास जानकारी देंगे। साथ ही, वेबिनार में आंबेडकर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. नितिन मलिक पहुंच रहे हैं, जो आंबेडकर यूनिवर्सिटी में दाखिले के हर पहलू पर स्टूडेंट्स को गाइड करेंगे। इसके अलावा, वेबिनार के स्पीकर करियर काउंसर आलोक बंसल बताएंगे कि कौन सा कोर्स उनकी दिलचस्पी के फील्ड में उनका करियर बनाएगा।

NBT नवभारत टाइम्स
PLANET CAMPUS
KAL HAMARA HAI

वेबिनार टॉपिक: CUET : एंट्रेंस और एडमिशन
कब: 18 सितंबर, रविवार
वक्त: सुबह 11 से 12 बजे तक
वेबिनार: जूम पर

ऐसे करें रजिस्ट्रेशन : https://nbtrangmanchclub.com/planet-campus/ पर जाकर स्टूडेंट्स इस वेबिनार के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

The Times of India Page No. 08 19.09.2022

AUD plans new courses, to link a BBA prog with Business Blasters

Shinjini.Ghosh@timesgroup.com

File photo

GETTING READY FOR FUTURE

New Delhi: From the upcoming academic session, Ambedkar University Delhi (AUD) will introduce several courses, including BA (H) political science, BBA innovation, entrepreneurship and venture development (BBA-IEV), MA criminology and MA comparative literature.

While the undergraduate programmes will follow the National Education Policy (NEP) 2020 structure and offer four-year courses, senior officials said the multiple exit and entry system for the postgraduate courses would be introduced gradually.

"The university already has certain PG-diploma courses. While those courses will continue, the NEP 2020 structure will be implemented gradually for the other PG programmes. As the new undergraduate batches progress, the master's courses will also eventually be turned into ones where students can pursue one-year PG programme after completing four years of an undergraduate programme," an official explained.

Among the new courses, BBA-IEV aims to nurture the "entrepreneurial talent of a student" and a special emphasis will be given on experiential and guided teaching-learning process, officials said.

"Mentors will guide and hand-hold students in the understanding the basics of business, management and entrepreneurship, acquiring the necessary skills, refining their ideas, building and testing the prototype and subsequently developing the final product or service offering a desirable commercially viable model or an enterprise. The broader aim is to cultivate a culture of creativity and unleash innovative mindset among students," an official said.

This course is tied up with the Business Blasters programme of the Delhi government and applicants are required to be part of a team, which has been awarded a position among the top 126 teams in the programme being run at the government schools.

"The candidate must have scored at least 50% marks in the Class XII board examination and an interview will be conducted of the eligible candidates. The merit list for admission will be prepared on the basis of 50% weightage of the score in Business Blasters and 50% on interview," the university said.

About the MA criminology programme, vice-chancellor Anu Singh Lather said that following extensive deliberations, the nature of the course had been made "contemporary in nature." The university will offer the programme jointly with Rajiv Gandhi National Law University and the programme will include "exhaustive theoretical understanding of crime and criminal justice as well as real-world exposure to various criminal justice institutions", AUD stated.

"The course will help in developing an understanding of a range of modern criminological perspectives of crime and social control. It can open employment opportunities within the criminal justice system, including police agencies, prosecution, courts and correctional agencies," an official pointed out.